

प्रेषक,

अहमद अली,  
अनु सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
रेशम निदेशालय उत्तराखण्ड,  
प्रेमनगर-देहरादून।

रेशम एवं रेशम अनुभाग:-1

देहरादून: दिनांक 31 दिसम्बर, 2007

विषय:-चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में प्रथम अनुपूरक अनुदान के माध्यम से सम्मिलित नई योजना 0217- जनपद हरिद्वार में अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों में रेशम विकास के अन्तर्गत प्राविधानित सम्पूर्ण धनराशि रु0-7.61 लाख की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-2547/रेशम/32/2006-07, दिनांक-01.10.2007 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-30 (एस0सी0एस0पी0) के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में प्रथम अनुपूरक अनुदान के माध्यम से सम्मिलित नई योजना 0217-जनपद हरिद्वार में अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों में रेशम विकास के अन्तर्गत प्राविधानित सम्पूर्ण धनराशि रु0-7.61 लाख (रुपये सात लाख इकसठ हजार मात्र) की धनराशि निम्न प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 1- इस धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यो के लिये ही किया जायेगा।
- 2- उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-599/XXVII (1)/2007, दिनांक-12 जुलाई, 2007 (छाया प्रति संलग्न) में दिये गये दिशा-निर्देशों तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
- 3- किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार क्रय प्रक्रिया (स्टोर्स पर्चेस रूल्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिष्पादन नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 आय व्यय सम्बन्धी नियम शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 4- अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग त्रैमास के आधार पर शासन को उपलब्ध करायी जाय, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लों निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
- 5- निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक के आगणन/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासनिक तथा वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ आगणनों पर सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति भी प्राप्त कर ली जाय।
- 6- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 7- व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।

..2/-



- 8- व्यय की सूचना प्रपत्र बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा, साथ ही यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि स्वीकृत की जा रही धनराशि चालू वित्तीय वर्ष के अन्तर्गत ही व्यय कर ली जायेगी।
- 9- लघु निर्माण कार्य व अन्य निर्माण कार्यो हेतु लोक निर्माण विभाग की वर्तमान प्रचलित दरों पर ही आगणन गठित करके कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
- 10- चूँकि धनराशि अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान के अन्तर्गत हुई बजट व्यवस्था से स्वीकृत की गई है, एवं चूँकि यह लाभार्थी आधारित योजना है। अतः तदनुसार सम्बन्धित लाभार्थियों को ही इस धनराशि से लाभान्वित किया जाय।
- 11- योजना में लिए गये अनुमानों, यथा शहतूत की पत्ती की कमी, लाभार्थियों के रोजगार व आय के अवसर कम होने, वर्तमान में कितना कोया व रेशम उत्पादित हो रहा है तथा अगले 5-10 वर्षों में रेशम वृक्षों की संख्या, कोया/रेशम उत्पादन एवं आच्छादित लाभार्थियों के रोजगार व आय वृद्धि के क्या आंकड़े हैं/लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं, को सर्वे आधारित आंकड़ों एवं यथोचित लक्ष्य निर्धारण आधार पर योजना का सही मूल्यांकन किया जाय, तथा शासन को भी अवगत कराया जाय। साथ ही लाभार्थियों के स्तर पर प्रतिवर्ष व्यय व आय के अनुमान एवं लाभार्थी अंशदान की व्यवस्था किन स्रोतों से वहन होगी, की भी उचित व्यवस्था की जाय।
- 12- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00-आयोजनागत-119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान-0217-जनपद हरिद्वार में अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों में रेशम विकास-08-कार्यालय व्यय एवं 42-अन्य व्यय के नामे डाला जायेगा।
- 13- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-238(P)/XXVII/2007, दिनांक-24, दिसम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
- संलग्नक-यथोपरि।

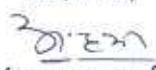
भवदीय,

(अहमद अली)  
अनु सचिव।

संख्या-1038/XVI/07/7(13) 2006 तददिनांकित।

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
- 2- वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 5- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
- 6- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 7- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,  
  
(अहमद अली)  
अनु सचिव।